

## मेट्रो हेराल्ड, अहमदाबाद

दिनांक: 05.01.2021

# बरेका महाप्रबंधक सुश्री अंजली गोयल द्वारा प्रेस वार्ता

आज दिनांक 02 जनवरी 2021 को बनारस रेल इंजन कारखाना के महाप्रबंधक सुश्री अंजली गोयल ने बरेका अधिकारी वस 2 व में आयोजित एक सारे समारोह में प्रेस व मीडिया को संबोधित किया। सर्वप्रथम उन्होंने प्रेस व मीडिया से अपने प्रकाशकों वंधुओं को नव वर्ष की शुभकामना दी एवं बरेका द्वारा किये जा रहे कार्य का निम्नलिखित सविस्तर विवरण दिया।

बनारस रेल इंजन कारखाना का शिलान्यास 23 अप्रैल 1956 को भारत के प्रथम राष्ट्रपति स्व. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद द्वारा किया गया। प्रथम ब्रांचेज रेल इंजन डबल्यूएएम-2 का शुभारंभ 03 जनवरी 1964 को श्री एच. सी. दासया, रेलमंत्री की उपस्थिति में श्री लाल बहादुर शास्त्री ने किया। बनारस रेल इंजन कारखाना न सिर्फ भारतीय रेल की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए रेल इंजन का निर्माण कर देश को अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहा है, बल्कि घरने एवं विदेशी गैर रेलवे ड्राफ्टों के लिए भी रेल इंजन का निर्माण कर रहा है। बनारस रेल इंजन कारखाना ने पहला निर्यात रेल इंजन तंजानिया के लिए मार्च 1976 में बनाया और इसके बाद से विभिन्न गैर रेलवे ड्राफ्टों को 622 रेल इंजनों की आपूर्ति की गई। इसमें

तंजानिया, विपतनाम, श्रीलंका, बांग्लादेश, म्यांमार, सेनेगल, सूडान, अंगोला, माली, मोजाम्बिक एवं मॉरीशस जैसे देशों को निर्यात किए गए 165 रेल इंजन शामिल हैं।

उपलब्धियां - बनारस रेल इंजन कारखाना इंटरनेशनल रेलवे इंजनेटो एंड इंटरिस्ट्रिड स्टैंडर्ड (आईआरआईएस) से प्रमाणित है और इस प्रमाण को प्राप्त करने वाला भारतीय रेल का प्रथम रेल इंजन उत्पादन इकाई बन गया है। बरेका को इसके अलावा विभिन्न प्रसिद्धि गुणवत्ता प्रमाणपत्र भी प्राप्त हुए हैं - आईएसओ 9001:2015, आईएसओ 14001:2015, ओएसएस 18001:2007, आईएसओ 50001:2011, 5-एम्, एन ए बी एल आईएसओ 17025:2017 एवं ग्रीनको।

दिसंबर 2020 के अंत तक बरेका ने 200 विद्युत रेल इंजन का निर्माण किया। यह उत्पादन रिकार्ड कोविड-19 के सभी प्रोटोकॉल को पूरा करते हुए इस बात के बावजूद हासिल किया गया कि अगस्त 2020 में उत्पादन शून्य था और मई में मात्र 08 रेल इंजनों का उत्पादन किया गया था। इस उपलब्धि का महत्व इसलिए और ज्यादा है क्योंकि विगत वर्ष 2019 तक 198 रेल इंजन बनाए गए थे। इस प्रकार भारतीय रेल नेटवर्क के विद्युतीकरण के

विस्तार के साथ विद्युत रेल इंजनों की आपूर्ति बढ़ रही है। इस बात की सराहना श्री विनोद कुमार यादव, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी रेलवे बोर्ड ने नवंबर-2020 में निर्मित 39वें रेल इंजन 'दीपशक्ति' के लोकार्पण के अवसर पर 1 दिसंबर 2020 को की। प्रमैग ऑफ श्री राजेश तिवारी, सदस्य (टिक्केटिंग एवं रोलिंग स्टॉक) की गरिमामयी उपस्थिति में विद्युत लोकोमोटिव से किया गया। 'दीपशक्ति' के साथ 40 वें विद्युत रेल इंजन 'आकाशदीप' का भी लोकार्पण किया गया।

बरेका ने बीजल रेल इंजन से विद्युत रेल इंजन निर्माण के लिए पूरी तरह अपनी संरचना का विकास कर लिया है। कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने चुनौती को सामना करते हुए नया कोशल अभिमत किया और शॉप फ्लोर, मशीन, टिग एवं फिक्सचर तथा विद्युत रेल इंजनों के उत्पादन के लिए योजना प्रक्रिया को पुनर्गठित किया। बरेका ने बीजल से विद्युत रेल इंजन उत्पादन लाइन में परिवर्तन रेल मंत्रालय के बहुदेशीय नीति के अनुरूप किया गया है, जिसमें ईंधन व्यवस्था करना, कार्बन फुट प्रिंट कम करना, ईंधन के आयात पर निर्भरता कम करना और ट्रेनों की क्षमता कम करना और ट्रेनों की क्षमता कम करना और ट्रेनों की क्षमता कम करना

बरेका ने मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली (एचआरएमएस) का शत-प्रतिशत कार्यान्वयन किया है। इससे सेवा रेकार्ड, फुली थाता देखना तथा मीएफ निकाली जैसे कार्य काफी आसान हो गए हैं और कर्मचारी कल्याण के क्षेत्र में वृद्धि हुई है। बरेका को विद्युत रेल इंजन उत्पादन लाइन में 98वें स्वदेशी सामग्री है। इससे व्ययक तौर पर एमएसएमडी क्षेत्र एवं घरेलू निर्माण को मदद मिली है। बरेका की वार्षिक खरीद 2020-21 में ₹3000 करोड़ है। एमएसएमडी क्षेत्र से पर्याप्त मात्रा में सामग्री एमएसएमडी क्षेत्र से लगभग ₹1400 करोड़ की खरीद की गई। बरेका ने लगभग ₹4000 करोड़ के वार्षिक टर्नओवर से निर्माण क्षेत्र को जोड़ने में योगदान दिया। अब बरेका अपने बहुदेशीय संरचना का प्रयोग मल्टीगैज एवं मल्टी ट्रेक्शन रोलिंग स्टॉक के उत्पादन के लिए करने को तैयार है। इससे भारत सरकार की आत्मनिर्भर भारत की नीति का संकल्प पूरा होगा। बरेका इस समय मोजाम्बिक को ₹51.6 करोड़ मूल्य के 6 केप गैज 3000 अशक्ति रेल इंजन के निर्यात पर कार्य कर रहा है। इसे नवंबर 2020 में फ्लाट टैंक पर रखा गया। बरेका ने इस आदेश के अंतर्गत पहली बार 12 सिलिंडर क्रेक केस का

निर्माण किया जा रहा है। गैर रेलवे ड्राफ्टों के लिए ₹37.72 करोड़ मूल्य के 04 रेल इंजन का आदेश बरेका के पास है। वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान गैर रेलवे ड्राफ्टों की 74.66 करोड़ के अतिरिक्त पुत्री की आपूर्ति की गई। गैर रेलवे ड्राफ्टों को ₹5.05 करोड़ रुपये के पुत्री का आदेश मिला है और जल्द ही इसकी आपूर्ति की जाएगी। विगत दो वित्तीय वर्षों में, बरेका ने बीजल को 3000 अश-शक्ति के कुल 10 इंजनों का निर्यात किया (2018-19 में 3 एवं 2019-20 में 7)।

विश्व में पहली बार आई हॉस पावर डीजल लोकोमोटिव को विद्युत लोकोमोटिव में सफलतापूर्वक परिवर्तित करने का श्रेय बरेका को प्राप्त है। मानवीय प्रधान मंत्री द्वारा बरेका से 10000 अश-शक्ति के कनवर्जन लोकोमोटिव डबल्यूएसीसी3 की ऐसी पहली टिचन प्लैट को डरी ड्राफ्टी डिजाइन रवाना किया गया और 6000 टन के मातकाहक ट्रेनों का सफलतापूर्वक संचालन किया गया। तब से बरेका ने 8 डीजल लोकोमोटिव को विद्युत लोकोमोटिव में परिवर्तित किया है। बरेका ने अत्याधुनिक वेलडिंग अनुसंधान संस्थान है, जो वेल्डिंग को प्रमाणित करने में सक्षम है। बरेका बड़े फैब्रिकेटेड सामानों के चिकोटाओं के साथ जुड़ेगा, जिसमें आईएसओ 9606 मानक में वेल्ड प्रशिक्षित होंगे। इसमें कोशल निर्माण में मदद मिलेगी और निजी क्षेत्र विशेषकर एमएसएमडी की प्रतिस्पर्धा में सुधार होगा जो ब्रांड इंडिया को श्रेय को बढ़ाएगा। बरेका ई-लॉगिंग के लिए कोशल अपरोडेशन मॉड्यूल पर भी काम कर रहा है। प्राथमिक प्रशिक्षण केंद्र को प्रकोशल विकास उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित किया गया है। हमारे माननीय प्रधानमंत्री द्वारा परिष्कृत प्रकोशल विकास कार्यक्रम प्रकोशल विकास पटल के तहत, कुल 521 स्थानीय युवाओं को विभिन्न ट्रेनों में विश्व प्रशिक्षित किया गया है और प्रमाणपत्र प्रदान किए गए हैं। पर्यावरण के लक्ष्यों के साथ तालमेल रखते हुए, बरेका ने अपनी तीव्र ऊर्जा उत्पादन क्षमता को 17.96 तन बढ़ाया है और 2019 की इसी अवधि के संदर्भ में नवंबर 2020 तक कुल पिड ऊर्जा की खपत को 26.27 तन तक कम किया है। राष्ट्रीय रेल योजना के मसौदे के अनुसार, रेल आधारित फुट की मांग आने वाले वर्षों में दोगुनी होने का अनुमान है। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए रेलवे को तेज और भारी ट्रेनों की आवश्यकता है। इच्छा ने तैली से और भारी गाड़ियों के मजरे के लिए

आवश्यकता को पूरा करने के लिए इतने आईएसओ 9606 मानक में वेल्ड प्रशिक्षित होंगे। इसमें कोशल निर्माण में मदद मिलेगी और निजी क्षेत्र विशेषकर एमएसएमडी की प्रतिस्पर्धा में सुधार होगा जो ब्रांड इंडिया को श्रेय को बढ़ाएगा। बरेका ई-लॉगिंग के लिए कोशल अपरोडेशन मॉड्यूल पर भी काम कर रहा है। प्राथमिक प्रशिक्षण केंद्र को प्रकोशल विकास उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित किया गया है। हमारे माननीय प्रधानमंत्री द्वारा परिष्कृत प्रकोशल विकास कार्यक्रम प्रकोशल विकास पटल के तहत, कुल 521 स्थानीय युवाओं को विभिन्न ट्रेनों में विश्व प्रशिक्षित किया गया है और प्रमाणपत्र प्रदान किए गए हैं। पर्यावरण के लक्ष्यों के साथ तालमेल रखते हुए, बरेका ने अपनी तीव्र ऊर्जा उत्पादन क्षमता को 17.96 तन बढ़ाया है और 2019 की इसी अवधि के संदर्भ में नवंबर 2020 तक कुल पिड ऊर्जा की खपत को 26.27 तन तक कम किया है। राष्ट्रीय रेल योजना के मसौदे के अनुसार, रेल आधारित फुट की मांग आने वाले वर्षों में दोगुनी होने का अनुमान है। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए रेलवे को तेज और भारी ट्रेनों की आवश्यकता है। इच्छा ने तैली से और भारी गाड़ियों के मजरे के लिए

आवश्यकता को पूरा करने के लिए इतने आईएसओ 9606 मानक में वेल्ड प्रशिक्षित होंगे। इसमें कोशल निर्माण में मदद मिलेगी और निजी क्षेत्र विशेषकर एमएसएमडी की प्रतिस्पर्धा में सुधार होगा जो ब्रांड इंडिया को श्रेय को बढ़ाएगा। बरेका ई-लॉगिंग के लिए कोशल अपरोडेशन मॉड्यूल पर भी काम कर रहा है। प्राथमिक प्रशिक्षण केंद्र को प्रकोशल विकास उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित किया गया है। हमारे माननीय प्रधानमंत्री द्वारा परिष्कृत प्रकोशल विकास कार्यक्रम प्रकोशल विकास पटल के तहत, कुल 521 स्थानीय युवाओं को विभिन्न ट्रेनों में विश्व प्रशिक्षित किया गया है और प्रमाणपत्र प्रदान किए गए हैं। पर्यावरण के लक्ष्यों के साथ तालमेल रखते हुए, बरेका ने अपनी तीव्र ऊर्जा उत्पादन क्षमता को 17.96 तन बढ़ाया है और 2019 की इसी अवधि के संदर्भ में नवंबर 2020 तक कुल पिड ऊर्जा की खपत को 26.27 तन तक कम किया है। राष्ट्रीय रेल योजना के मसौदे के अनुसार, रेल आधारित फुट की मांग आने वाले वर्षों में दोगुनी होने का अनुमान है। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए रेलवे को तेज और भारी ट्रेनों की आवश्यकता है। इच्छा ने तैली से और भारी गाड़ियों के मजरे के लिए

हस्तारण का कार्य लेने के लिए तैयार रहने हेतु निर्दिष्ट किया है। प्रयोगिकी हस्तांतरण के क्षेत्र में शेल, बोपी, ट्रेक्शन मोटर, लोकोमोटिव असेंबली, परीक्षण एवं कर्मिशासन शामिल है। यह परिवोजना 4 वर्षों की होगी, 200 रेल इंजनों का उत्पादन किया जाएगा। इससे बरेका कर्मशाता की गुणवत्ता में प्रगति होगी।

ट्रेन टैलीमेंट्री का अंत - भारतीय रेल को एक महत्वपूर्ण परिवोजना है। इसके अंतर्गत मालवाहक ट्रेनों में आई एवं ब्रेकवान को हटाने का विकल्प तलाश जाना है। बहुत ही कम लागत का रेंडियो टैलीमेंट्री उपकरण उपयोग किया जाना है, जिससे रेल इंजन ड्राइवर एवं अतिम वैन के बीच संचार स्थापित हो जाएगा और यह सुनिश्चित होगा कि ट्रेन सम्पूर्ण इकाई कोच/वैन के साथ चल रही है। बरेका इस परिवोजना के सुचारु कार्यान्वयन एवं समुचित समन्वय के लिए गठित कार्य दल (टास्क फोर्स) का संयोजक है।

बरेका में आयोजित प्रेस वार्ता में बरेका के सभी प्रमुख मुख्य विभागाध्यक्ष सहित मुख्य जन सम्पर्क अधिकारी उपस्थित रहे एवं प्रेस वार्ता का संचालन बरेका जन सम्पर्क अधिकारी श्री राजेश कुमार द्वारा किया गया।